कॉमनवेल्थ में भारत की धमाकेदार एंट्री

पुतुल सोनोवाल ने रयान को हराया

43 साल में बड़ा कमाल, सोनोवाल ने वर्ल्ड चैंपियन को हराया

ग्लासगो, 24 जुलाई भारत ने गुरुवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बाउल्स में दो जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की. पुरुष एकल में पुतुल सोनोवाल ने कनाडा के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन रयान बेस्टर को हराकर सभी को हैरान कर दिया. वहीं, पिंकी सिंह और रूपा टिर्की की जोड़ी ने वूमेंस पेयर्स में जीत दर्ज की.

43 साल की उम्र में कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू कर रहे पुतुल सोनोवाल ने स्कॉटिश इवेंट कैंपस में खेले गए मैच में बेस्टर को टाई-ब्रेक में हराया. दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती दो सेट एक-एक जीतकर बराबरी पर समाप्त किए थे. मौजूदा एशियन चैंपियन सोनोवाल ने सेक्शन डी, जिसमें छह खिलाड़ी शामिल हैं के अपने पहले मैच में पहला सेट 5-4 से जीता, लेकिन दूसरे सेट में 7-3 से हार मिली. चारों सेक्शन (ए से डी) में से हर एक के विजेता खिलाड़ी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे. इससे पहले बर्मिंघम 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली वूमेंस फोर्स टीम की सदस्य पिंकी सिंह और रूपा टिर्की ने अपने सेक्शन बी महिला पेयर्स मुकाबले में माल्टा की कोनी रिक्सन और रेबेका रिक्सन को हराकर जीत हासिल की. भारतीय जोड़ी ने पहला सेट 7-1 से जीता, लेकिन माल्टा ने दूसरा सेट जीतकर मुकाबले को टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया. हालांकि, पिंकी के आखिरी बाउल ने भारत की जीत पक्की कर दी. पुतुल अपने दूसरे पुरुष एकल सेक्शन डी मैच में फॉकलैंड आइलैंड के सेसिल अलेक्जेंडर का सामना करेंगे, जबकि पिंकी सिंह और रूपा टिर्की की टक्कर दक्षिण अफ्रीका से होगी. ये दोनों मैच शुक्रवार को खेले जाएंगे. ग्लासगो 2026 में बाउल्स की शुरुआत सेक्शनल ग्रुप प्ले से होगी, जिसमें खिलाड़ी और टीमें नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालीफाई करने के लिए राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे को टक्कर देंगी.

कॉमनवेल्थ गेम्स में यह मुकाबला पहली बार इनडोर आयोजित किया जा रहा है. हालांकि इसका मकसद वही है - बाउल्स को जैक छोटे टारगेट बॉल के जितना हो सके उतना करीब पहुंचाना.

पिंकी और रूपा ने जीत के साथ बॉल्स में विजयी शुरुआत की

ग्लासगो. पिंकी सिंह और रूपा रानी टिर्की की भारतीय महिला पेयर्स टीम ने गुरुवार को अपने शुरुआती ग्रुप मैच में माल्टा को एक रोमांचक टाई-ब्रेक में हराकर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की. कॉमनवेल्थ गेम्स में आधिकारिक तौर पर 'बॉल्स' के नाम से जाने जाने वाले इस खेल के इनडोर वर्शन में खेलते हुए, भारतीय जोड़ी ने रेबेका लुईस रिक्सन और कोनी-ले रिक्सन बहनों को हराया. यह मुकाबला आखिरी बॉल तक चला. भारत ने मजबूत शुरुआत की और पहले सेट में जल्दी ही बढ़त बना ली. पिंकी और रूपा ने लगातार बढ़त बनाई; पिंकी ने कुछ सटीक थ्रो किए जिससे भारत 2-0 से आगे हो गया. माल्टा ने अगले राउंड में अंतर कम किया, लेकिन भारत ने जल्द ही फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया क्योंकि पिंकी ने एक और अहम थ्रो करके बढ़त को और बढ़ा दिया. भारतीय जोड़ी का दबदबा बना रहा और उन्होंने और अंक हासिल करके पहला सेट 7-1 से जीत लिया. रूपा ने आखिरी पलों में अहम भूमिका निभाई, जबकि माल्टा की आक्रामक ड्राइव से वापसी करने की कोशिश उनके ही खिलाफ गई. दूसरा सेट काफी कड़ा था. पिंकी के सटीक थ्रो से जैक (लक्ष्य) उनके पक्ष में आने के बाद भारत फिर से जल्दी आगे हो गया, लेकिन माल्टा ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर लिया. बाकी सेट के दौरान दोनों टीमों के बीच बढ़त का उतार-चढ़ाव चलता रहा. पिंकी ने एक बार फिर अहम थ्रो करके करीबी मुकाबले में जीत हासिल की और भारत को आगे रखा, लेकिन रिक्सन बहनों ने आखिरी राउंड में शानदार खेल दिखाते हुए सेट बराबर कर दिया और मैच को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया.

मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने की भारत के मार्च की अगुवाई

ग्लासगो (स्कॉटलैंड) 24 जुलाई राष्ट्रमंडल खेल 2026 की आधिकारिक शुरुआत गुरुवार को स्कॉटलैंड के संस्कृति के जश्न के साथ हुई. इस दौरान ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने हाइड्रो एरिना में भारतीय दल की अगुवाई की. राजा चार्ल्स तृतीय ने खेलों का उद्घाटन किया. राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में यह पहला मौका था जब उद्घाटन समारोह किसी इनडोर स्टेडियम के भीतर आयोजित हुआ. इस दौरान संगीत, स्कॉटलैंड के संस्कृतिक प्रदर्शन के साथ 74 देशों और क्षेत्रों के एथलीटों का स्वागत किया गया. समारोह में भारतीय दल ने गहरे नीले रंग के ब्लेजर और ट्राउजर पहने थे, जो टीम की आधिकारिक सेरेमोनियल किट थी. इसके डिजाइन में पारंपरिक भारतीय तत्वों के साथ-साथ आधुनिकता का भी समावेश था. राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल होने वाले देशों के परेड मार्च की शुरुआत बोत्सवाना के एरिना में प्रवेश के साथ हुई, जिसके बाद अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, कैरिबियन, ओशिनिया और यूरोप के एथलीट शामिल हुए.

श्रीहरि ने बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में बनाई जगह

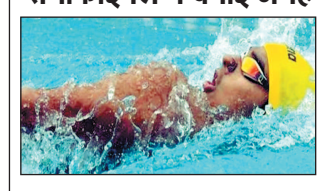

ग्लासगो. भारत के स्टार तैराक श्रीहरि नटराज ने तैराकी प्रतियोगिता के पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है. श्रीहरि ने हीट्स में 25.52 सेकेंड का समय निकालकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया. वह 16 क्वालीफायर में 14वें सबसे तेज तैराक रहे और अब आज ही होने वाले सेमीफाइनल में अपनी चुनौती पेश करेंगे.

पैरा तैराकी : रवि बुडिग्ना और अली इमाम फाइनल में पहुंचे भारत के रवि वीरा वेंकट बुडिग्ना और अली इमाम ने पुरुष एस13 सौ मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है. बुडिग्ना ने हीट्स में 57.10 सेकेंड का समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया. वहीं अली इमाम ने 1 मिनट 05.32 सेकेंड का समय दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया.

शानदार कामयाबी के बाद सचिन कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए तैयार

मुंबई. आईआईएस -सपोर्टेड बॉक्सर सचिन सिवाच ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना सफर शुरू करने के लिए तैयार हैं. यह उनके करियर का एक और अहम पड़ाव है, जिसने उन्हें भारत के टॉप एमेच्योर बॉक्सर्स में से एक के तौर पर स्थापित किया है. पिछले दो सीज़न में इंटरनेशनल लेवल पर शानदार कामयाबी हासिल करने के बाद, 26 साल के सचिन अब भारत की ओर से मेडल जीतने के सबसे मज़बूत दावेदारों में से एक के तौर पर इन गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं. मौजूदा वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फ़ाइनल चैंपियन ने 2025 में इतिहास रचा था, जब वे इस प्रतिष्ठित इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बने थे. उन्होंने 2026 में भी अपनी शानदार लय बनाए रखी और चेक रिपब्लिक में ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम और स्पेन में बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता, साथ ही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल भी हासिल किया. जब वे अपने करियर के सबसे बड़े मंचों में से एक पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं, तो सिवाच का कहना है कि देश के लिए खेलना ही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है. सचिन ने कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा सबसे बड़ा सम्मान रहा है. हर टूर्नामेंट खास होता है, लेकिन कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेना हर एथलीट का सपना होता है. मैंने इस मौके को पाने के लिए कड़ी मेहनत की है, और मेरा लक्ष्य हर मुकाबले में अपना बेस्ट देना, देश का नाम रोशन करना और रिंग से यह सोचकर बाहर आना है कि मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया.' पिछले दो सीज़न में इंटरनेशनल लेवल पर लगातार कामयाबी हासिल करने के बाद, सिवाच का मानना है कि उनकी तैयारी अपनी बॉक्सिंग की बारीकियों को बेहतर बनाने पर केंद्रित रही है.

एक नजर में

जापान ने चेकिया को 21-5 से हराया

टोक्यो,(जापान). विश्व लैक्रोस विमेंस चैंपियनशिप 2026 के शुक्रवार को उद्घाटन मुकाबले में जापान ने चेकिया को 21-5 से करारी शिकस्त दी. आज यहां खेले गये मुकाबले की इस जीत में जापान के लिए पहले क्वार्टर में किए गए छह गोल अहम रहे. मेजबान टीम के लिए नकाज़ावा कोकोरो और कोबायाशी चिसा ने पांच-पांच गोल किए, जबकि मोनिका जोन्स और होसोडा सुजुनो ने हैट्रिक लगाई. जापान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी गोल पर किए गए 23 शॉट्स में से 18 को गोल में बदला और दुनिया की नंबर 5 टीम ने चेकिया को आसानी से हरा दिया.

अल्जारी ने 'सिलेक्शन से इनकार किया' : सैमी

तारोबा. पाकिस्तान के ख़िलाफ़ होने वाली टेस्ट सीरीज़ के लिए 15 सदस्यों वाली टीम का ऐलान करते हुए क्रिकेट वेस्ट इंडीज़ ने कहा था कि अल्ज़ारी जोसेफ़ 'निजी कारणों से सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे', लेकिन वेस्ट इंडीज़ के हेड कोच डेरेन सैमी ने कन्फर्म किया है कि तेज़ गेंदबाज़ ने 'सिलेक्शन से इनकार कर दिया था'. सैमी ने तारोबा के ब्रायन लारा स्टेडियम में पहले टेस्ट से दो दिन पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हाँ, यह एक बड़ा नुकसान है. मिस्टर जोसेफ़ ने सिलेक्शन से इनकार कर दिया है. यही असलियत है. उन्हें चुना गया था. मेरा मतलब है, वह अभी चोट से उबरकर आ रहे हैं. और उसके बाद के कारणों से, उन्होंने सिलेक्शन से इनकार कर दिया.' जोसेफ़ ने जून-जुलाई में श्रीलंका के ख़िलाफ़ दोनों टेस्ट खेले, जिनमें उन्होंने कुल छह विकेट लिए, और फिर न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ पाँच मैचों की वनडे सीरीज़ खेली, जिसमें पहले मैच में 41 रन देकर 4 विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई. सैमी ने कहा, 'यह फ़ैसला मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है. मैं यह फ़ैसला डायरेक्टर्स पर छोड़ता हूँ कि वे कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों के सिलेक्शन से इनकार करने के मामले में क्या समाधान निकालते हैं.'

संयम ने 10 मी. एयर पिस्टल में सिल्वर जीता

हांगझोऊ. शुक्रवार को चीन के हांगझोऊ में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2026 में संयम ने महिलाओं की 10 मी एयर पिस्टल इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए पहला मेडल हासिल किया. 22 साल की भारतीय शूटर ने कुल 243.4 स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया; वह गोल्ड मेडल से सिर्फ़ 0.2 पॉइंट से चूक गईं. हांगझोऊ में मिला सिल्वर मेडल संयम का दूसरा आईएसएसएफ वर्ल्ड कप मेडल था. उन्होंने दोहा, कतर में हुए 2025 आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फ़ाइनल में भी महिलाओं की 10 मी एयर पिस्टल इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था. चीन की याओ कियानक्सुन 243.6 स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहीं, जबकि ईरान की ओलंपियन हनिया रोस्तामियन 221.0 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं. कई बार आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीत चुकीं भारत की सुरुचि सिंह फ़ाइनल में कुल 137.6 स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं. संयम, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में 579-17× स्कोर करके 10वां स्थान हासिल किया था, फ़ाइनल में इसलिए पहुँच पाईं क्योंकि उनसे आगे रहने वाले दो शूटर्स - जिनमें दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर भी शामिल थीं.

टूर्नामेंट : कोलकाता डर्बी के साथ शुरू होगा डूरंड कप

कोलकाता, 24 जुलाई एशिया का सबसे पुराना फ़ुटबॉल टूर्नामेंट, 135वां इंडियनऑयल डूरंड कप 2026 वापसी कर रहा है. सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव इस टूर्नामेंट के 135वें एडिशन की पूरी लाइव कवरेज फ़ैन्स तक पहुंचाएंगे.

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 25 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच शहरों (कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इंफाल) में खेला जाएगा, जिसमें कुल 43 मैच होंगे. इस शानदार ट्रॉफ़ी के लिए कुल 24 टीमें मुकाबला करेंगी, जिनमें मौजूदा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी और मोहन बागान सुपर जाइंट जैसी बड़ी टीमें शामिल हैं. इनके साथ उपमहाद्वीप की अन्य शीर्ष फ़ुटबॉल टीमें भी होंगी, जिसमें श्रीलंका सशस्त्र बलों (डिफेंडर्स एफसी) का प्रतिनिधित्व करने वाली एक विदेशी टीम भी शामिल है.

15 साल के वैभव का विश्व रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 24 जुलाई हरारे में खेले गए भारत और जिम्बाब्वे के बीच पहले टी-20 मुकाबले में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने ऐसा कारनामा कर दिया, जिसकी चर्चा लंबे समय तक क्रिकेट जगत में होती रहेगी.

युवा बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से न सिर्फ भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया. वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं. उन्होंने महज 15 साल 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की. इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने वर्ष 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल 213 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था. जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया.

सचिन का रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

जिम्बाब्वे के खिलाफ 18 गेंदों में मारी फिफ्टी

> उन्होंने गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए शानदार शॉट लगाए और सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. उनकी पारी में चार चौके और चार शानदार छक्के शामिल रहे. हालांकि अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद वह आउट हो गए, लेकिन तब तक वह क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुके थे. वैभव ने अपने इस खास मौके को अपनी मां के नाम किया. अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी उंगलियों से अंग्रेजी अक्षर ए बनाया. मैच के बाद उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उनकी मां आरती सूर्यवंशी के लिए था. उन्होंने अपनी पारी को परिवार, कोच और उन सभी लोगों को समर्पित किया, जिन्होंने उनके क्रिकेट सफर में उनका साथ दिया.

शुरू हुई आईएसएल सीजन की तैयारी

बेंगलुरु, 24 जुलाई बेंगलुरु एफसी ने गुरुवार शाम को अपना प्री-सीज़न शुरू किया. टीम 2026-27 इंडियन सुपर लीग कैंपेन से पहले फिर से एकजुट हुई है.

'ब्लूज़' (टीम का उपनाम) नए जोश और स्क्वाड में दो अहम नए खिलाड़ियों - स्पेनिश मिडफील्डर बोर्जा मार्टिनेज और पुर्तगाली डिफेंडर सैंड्रो एम्बालो - के साथ मैदान पर लौटे हैं. वीज़ा की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ये दोनों खिलाड़ी बेंगलुरु में बाकी टीम के साथ जुड़ जाएंगे.

बेंगलुरु एफसी के हेड कोच पेप मुनोज़ ने कहा, 'यह रोमांचक है क्योंकि इस बार पूरा सीज़न है और हम सच में स्क्वाड की क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सकते हैं. मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि यह सीज़न हमारे लिए क्या लेकर आता है.' मुनोज़ क्लब के साथ अपने पहले पूरे सीज़न की शुरुआत कर रहे हैं. उन्होंने 2025-26 इंडियन सुपर लीग सीज़न का समापन टीम को टेबल पर चौथे स्थान पर पहुंचाकर किया था, जिसमें टीम ने दो जीत, तीन ड्रॉ और एक हार दर्ज की थी.

टीम प्री-सीज़न टेस्टिंग के लिए बेल्लारी में 'इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्पोर्ट' जाएगी और 27 से 30 जुलाई तक वहां ट्रेनिंग करेगी, जहां वे कई हाई-इंटेंसिटी टेस्ट से गुज़रेंगे.

भारत में खेला जा सकता है एशेज टेस्ट मैच

सिडनी 24 जुलाई क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि वे भारतीय जमीन पर एशेज टेस्ट मैच आयोजित करने पर 'विचार करने के लिए तैयार' हैं.

ग्रीनबर्ग ने कहा कि भले ही अभी ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन उन्हें 'सभी विकल्पों पर विचार करने के लिए तैयार' रहना होगा. ग्रीनबर्ग ने बीबीसी के 'स्टम्पड' पॉडकास्ट में कहा, 'ईसीबी के साथ-साथ बीसीसीआई के साथ भी हमारे रिश्ते बहुत मजबूत हैं, और जाहिर है कि भारत में कुछ क्षेत्रों में और ज़्यादा कंटेंट लाने के मौके हैं. यह ऐसी चीज नहीं है जिसकी हम अभी योजना बना रहे हैं, लेकिन निश्चित रूप से इस पर विचार किया जा सकता है.' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे, इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट क्रिकेट अभी भी बहुत मज़बूत है, जो शायद दुनिया के बाकी हिस्सों के ट्रेंड के उलट है. इसलिए हम यह पक्का करना चाहते हैं कि हम इसे आगे बढ़ाते रहें और मजबूत करते रहें.' यह बयान बिग बैश लीग (बीबएल) के इस साल के आखिर में भारत में डेब्यू करने की पुष्टि के कुछ दिनों बाद आया है. चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच होने वाले सीजन के पहले मैच की मेज़बानी करेगा.

भारत के लिए खेलने की उम्मीद ने मुझे प्रेरित रखा : मयंक यादव

हरारे. ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़ पहले टी 20 में भारत की शानदार जीत के बाद, तेज़ गेंदबाज़ मयंक यादव ने माना कि चोटों के कारण आए मुश्किल दौर में भी प्रेरित रहना एक चुनौती थी, लेकिन भारत के लिए खेलने की उम्मीद ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी. हरारे में खेले गए पहले मैच में भारत की जीत में मयंक अहम रहे; उन्होंने अपनी तेज़ रफ़्तार से बल्लेबाज़ों को परेशान किया और नई गेंद से तेज़ी से गेंदबाज़ी की. उन्होंने अपने चार ओवरों में 18 रन देकर 2 विकेट लिए. उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर खतरनाक ब्रायन बेनेट को आउट किया और फिर पांचवें ओवर में डियोन मायर्स को पवेलियन भेजा. मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' का पुरस्कार मिला. प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया.

'करो या मरो' मुकाबला | पहले टी-20 में 7 विकेट की शानदार जीत के बाद 2-0 की बढ़त पर नजर

टी-20 सीरीज जीत से एक कदम दूर भारत

हरारे, 24 जुलाई. भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी. जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी.

श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में सात विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है. टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया. एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी.

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही. इससे पहले, भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया.

> युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी. इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है. हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं.